INDIA'S DIGITAL CONNECTIVITY MARKET GAINS MOMENTUM

Rising broadband adoption, expanding rural connectivity and steady 5G fixed wireless access growth continued to strengthen India's telecom market.

India's telecom and broadband market continued its upward trajectory in March 2026, with broadband subscribers crossing the 1.06 billion mark as internet adoption deepened across urban and rural regions.

Latest government data showed broadband subscriptions rising from 1,059.05 million in February to 1,065.88 million in March, reflecting robust demand for digital connectivity driven by affordable smartphones, low-cost data services and growing consumption of online content and digital applications.

The market expansion comes at a time when telecom operators are accelerating investments in network capacity, fibre infrastructure and 5G rollout to cater to rising bandwidth requirements from streaming, gaming, digital payments, enterprise cloud services and connected devices.

Wireless services remained the primary growth engine for the sector. Total wireless subscribers, including mobile and fixed wireless access (FWA) users, increased from 1,273.31 million to 1,282.33 million during the month, recording a growth rate of 0.71 per cent. Rural markets once

भारत के डिजिटल कनेक्टिविटी बाजार में तेजी आयी

ब्रॉडबैंड का इस्तेमाल, ग्रामीण इलाकों में कनेक्टिविटी और 5जी फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस में बढ़ोतरी ने भारत के टेलीकॉम बाजार को और मजबूत किया है।

मार्च 2026 में भारत के टेलीकॉम और ब्रॉडबैंड बाजार ने अपनी बढ़त जारी रखी है, और शहरी व ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट की पहुंच बढ़ने के साथ ही ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या 1.06 बिलियन के आंकड़े को पार कर गयी है।

सरकार के ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि ब्रॉडबैंड सब्सक्रिप्शन फरवरी में 1,059.05 मिलियन से बढ़कर मार्च में 1,065.88 मिलियन हो गया है। यह डिजिटल कनेक्टिविटी की मजबूत मांग को दिखाता है जिसकी वजह सस्ते स्मार्टफोन, कम कीमत वाली डेटा सेवायें और ऑनलाइन कंटेंट और डिजिटल ऐप्स का बढ़ता इस्तेमाल है।

बाजार का विस्तार ऐसे समय में हो रहा है जब टेलीकॉम ऑपरेटर स्ट्रीमिंग, गेमिंग, डिजिटल पेमेंट्स, एंटरप्राइज क्लाउड सेवाओं और कनेक्टेड उपकरणों से बढ़ती बैंडविड्थ की जरूरतों को पूरा करने के लिए नेटवर्क क्षमता, फाइबर इंफ्रास्ट्रक्चर और 5जी रोलआउट में निवेश तेज कर रहे हैं।

वायरलेस सेवायें इस क्षेत्र के लिए विकास का मुख्य इंजन बनी रहीं। मोबाइल और फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्लूए) यूजर्स को मिलाकर, कुल वायरलेस सब्सक्राइबर्स की संख्या इस महीने में 1,273.31 मिलियन से बढ़कर 1,282.33 मिलियन हो गयी, जो 0.71% की ग्रोथ रेट दिखाती है। ग्रामीण बाजार एक बार फिर से विकास में अहम योगदान

again emerged as a key growth contributor, with subscriber additions marginally outpacing urban regions.

Industry analysts believe the improving rural connectivity metrics indicate a gradual narrowing of India's digital divide, supported by expanding 4G and 5G coverage as well as government-backed digital inclusion initiatives.

Wireless tele-density improved to 89.88 per cent during the month, while rural tele-density approached 60 per cent, underlining increasing mobile penetration beyond major cities. Urban tele-density continued to remain significantly higher at over 143 per cent, reflecting the concentration of multiple device ownership and higher data consumption patterns in metro and urban markets.

Mobile subscriber additions also remained healthy, with the overall mobile base increasing to 1,265.73 million in March. Private telecom operators retained overwhelming market dominance, accounting for more than 92 per cent of wireless subscribers, while public sector operators maintained a smaller but stable presence.

The wireline broadband segment also showed steady progress as fibre adoption continued to grow among residential and enterprise users. Wireline subscribers rose to 48.25 million during March, with urban India contributing the majority of the market share.

Meanwhile, the 5G Fixed Wireless Access segment continued to gain traction as telecom companies expanded commercial deployments across key markets. FWA subscribers increased from 11.93 million to 12.32 million during the month, reinforcing expectations that wireless broadband could become a significant alternative to traditional wired connectivity in underserved and semi-urban regions.

The telecom market also witnessed strong competitive activity, with 14.63 million mobile number portability requests recorded during March. Analysts say the high portability numbers reflect rising consumer awareness, competitive tariff strategies and ongoing efforts by telecom operators to improve service quality and customer retention.

With broadband usage continuing to expand across households, enterprises and rural communities, India's telecom sector is expected to remain one of the fastest-growing digital connectivity markets globally.■

देने वाले के तौर पर उभरे, जहां सब्सक्राइबर्स की संख्या में बढ़ोतरी शहरी इलाकों के मुकाबले थोड़ी ज्यादा रही।

उद्योग के जानकारों का मानना है कि ग्रामीण कनेक्टिविटी के बेहतर होते आंकड़े इस बात का संकेत है कि भारत में डिजिटल खाई धीरे-धीरे कम हो रही है। इसमें 4जी और 5जी विस्तार के साथ-साथ सरकार द्वारा समर्थित डिजिटल समावेश की पहलों का भी योगदान है।

इस महीने के दौरान वायरलेस टेली डेंसिटी बढ़कर **89.88** प्रतिशत हो गयी, जबकि ग्रामीण टेली-डेंसिटी **60** प्रतिशत के करीब पहुंच गयी, यह दर्शाता है कि बड़े शहारों के बाहर भी मोबाइल की पहुंच लगातार बढ रही है। शहरी टेली डेंसिटी काफी ज्यादा, यानी **143** प्रतिशत से ऊपर बनी रही, यह दिखाता है कि मेट्रो और शहरी बाजारों में लोग एक से ज्यादा उपकरण रखते हैं और डेटा का इस्तेमाल भी ज्यादा करते हैं।

मोबाइल ग्राहकों की संख्या में बढ़ोतरी भी अच्छी रही और मार्च में कुल मोबाइल बेस बढ़कर **1265.73** मिलियन हो गया। निजी टेलीकॉम ऑपरेटरों का बाजार पर जबरदस्त दबदबा बना रहा, वायरलेस ग्राहकों में **92** प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा इन्हीं का था, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के ऑपरेटरों की मौजूदगी कम जरूर थी, लेकिन स्थिर बनी रही।

वायरलाइन ब्रॉडबैंड सेगमेंट में भी लगातार प्रगति देखने को मिली, क्योंकि घरों और एंटरप्राइज यूजर्स के बीच फाइबर का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। मार्च के महीने में वायरलाइन सब्सक्राइबर्स की संख्या बढ़कर **48.25** मिलियन हो गयी, जिसमें शहरी भारत का मार्केट शेयर सबसे ज्यादा रहा।

इस बीच फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्लूए) सेगमेंट को लगातार बढ़ावा मिलता रहा, क्योंकि टेलीकॉम कंपनियों ने मुख्य बाजार में अपने कमर्शियल डिप्लॉयमेंट का विस्तार किया। इस महीने के दौरान एफडब्लूए सब्सक्राइबर्स की संख्या **11.93** मिलियन से बढ़कर **12.32** मिलियन हो गयी। इससे इस उम्मीद को और बल मिला है कि वायरलेस ब्रॉडबैंड उन क्षेत्रों और अर्ध शहरी इलाकों में पारंपरिक वायर्ड कनेक्टिविटी का एक अहम विकल्प बन सकता है, जहां अभी तक पर्याप्त कनेक्टिविटी नहीं पहुंची है।

टेलीकॉम बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, मार्च महीने में **14.63** मिलियन मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी के अनुरोध दर्ज किये गये। विश्लेषकों का कहना है कि पोर्टेबिलिटी के ये ऊंचे आंकड़े उपभोक्ताओं में बढ़ती जागरूरता, प्रतिस्पर्धी टैरिफ रणनीतियों और टेलीकॉम ऑपरेटरों द्वारा सेवा की गुणवत्ता व ग्राहकों को बनाये रखने के लिए किये जा रहे लगातार प्रयासों को दर्शाते हैं।

घरों, उद्यमों और ग्रामीण समुदायों में ब्रॉडबैंड के इस्तेमाल में लगातार हो रही बढ़ेतरी के चलते, भारत का टेलीकॉम सेक्टर दुनियाभर में सबसे तेजी से बढ़ते डिजिटल कनेक्टिविटी बाजारों में से एक बना रहने की उम्मीद है।■